।। सा विद्या या विमुक्तये ।।
स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
"ज्ञानतीर्थ" परिसर, विष्णुपूरी, नांदेड - ४३१६०६ (महाराष्ट्र)
SWAMI RAMANAND TEERTH MARATHWADA UNIVERSITY NANDED
"Dnyanteerth", Vishnupuri, Nanded - 431606 Maharashtra State (INDIA)
Established on 17th September 1994 – Recognized by the UGC U/s 2(f) and 12(B), NAAC Re-accredited with 'A' Grade
ACADEMIC (1-BOARD OF STUDIES) SECTION
Phone: (02462) 229542
Fax : (02462) 229574
Website: www.srtmun.ac.in
E-mail: bos.srtmun@gmail.com

संलग्नित महाविद्यालयांतील मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदव्युत्तर स्तरावरील द्वितीय वर्षाचे CBCS Pattern नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२०–२१ पासून लागू करण्याबाबत.

प रि प त्र क

या परिपत्रकान्वये सर्व संबंधितांना कळविण्यात येते की, **दिनांक २० जून २०२० रोजी संपन्न झालेल्या ४७व्या मा. विद्या परिषद बैठकीतील विषय क्र.१३/४७–२०२०**च्या ठरावानुसार प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **संलग्नित महाविद्यालयांतील मानवविज्ञान विद्याशाखेतील पदव्युत्तर स्तरावरील द्वितीय वर्षाचे** खालील विषयांचे **C.B.C.S. (Choice Based Credit System) Pattern** नुसारचे अभ्यासक्रम शैक्षणिक वर्ष २०२०–२१ पासून लागू करण्यात येत आहेत.

१) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–इंग्रजी
२) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–हिंदी
३) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–मराठी
४) एम.ए.–द्वितीय–संस्कृत
५) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–उर्दू
६) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–अर्थशास्त्र
७) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–भूगोल
८) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–इतिहास
९) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–तत्त्वज्ञान
१०) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–राज्यशास्त्र
११) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–मानसशास्त्र
१२) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–लोकप्रशासन
१३) एम.ए.–द्वितीय वर्ष–समाजशास्त्र

सदरील परिपत्रक व अभ्यासक्रम प्रस्तुत विद्यापीठाच्या **www.srtmun.ac.in** या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहेत. तरी सदरील बाब ही सर्व संबंधितांच्या निदर्शनास आणून द्यावी.

'ज्ञानतीर्थ' परिसर,
विष्णुपुरी, नांदेड – ४३१ ६०६.
जा.क्र.: शैक्षणिक–१/परिपत्रक/पदव्युत्तर–सीबीसीएस अभ्यासक्रम/२०२०–२१/**२५०**
दिनांक : ०८.०७.२०२०.

स्वाक्षरित/–
उपकुलसचिव
शैक्षणिक (१–अभ्यासमंडळ) विभाग

प्रत माहिती व पुढील कार्यवाहीस्तव :
१) मा. कुलसचिव यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
२) मा. संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ यांचे कार्यालय, प्रस्तुत विद्यापीठ.
३) प्राचार्य, सर्व संबंधित संलग्नित महाविद्यालये, प्रस्तुत विद्यापीठ.
४) साहाय्यक कुलसचिव, पदव्युत्तर विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
५) उपकुलसचिव, पात्रता विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.
६) सिस्टम एक्सपर्ट, शैक्षणिक विभाग, प्रस्तुत विद्यापीठ.

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

"ज्ञानतीर्थ" विष्णुपूरी नांदेड

एम.ए. द्वितीय वर्ष हिंदी पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर स्तर

जून २०२० से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय वर्ष - पाठ्यक्रम की रूपरेखा

१. अनिवार्य बीजपत्र

१. आधुनिक कविता-भाग १ : तृतीय सत्र

२. आधुनिक कविता - भाग २ : चतुर्थ सत्र

२. अनिवार्य बीजपत्र

१. समीक्षा सिद्धांत - भाग १ : तृतीय सत्र

२. समीक्षा सिद्धांत - भाग २ : चतुर्थ सत्र

३. अनिवार्य बीजपत्र

१. हिंदी गद्य साहित्य - भाग १ : तृतीय सत्र

२. हिंदी गद्य साहित्य - भाग २ : चतुर्थ सत्र

४. अनिवार्य बीजपत्र

१. हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य - भाग १ : तृतीय सत्र

२. हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य - भाग २ : चतुर्थ सत्र

विकल्प में

१. जनसंचार माध्यम - भाग १ : तृतीय सत्र

२. जनसंचार माध्यम - भाग २ : चतुर्थ सत्र

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ९

आधुनिक कविता - भाग १ : तृतीय सत्र

पाठ्यविषय :

१. भारत भारती : मैथिलीशरण गुप्त

   १. भविष्यत खंड का 'उद्‌बोधन' (१ से ६५)

   २. भविष्यत खंड का 'शुभकामना'(१३५ से १४०)

२. कामायनी : जयशंकर प्रसाद

   १. श्रद्धा

   २. लज्जा

   ३. इडा

३. कुकुरमुत्ता : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

४. द्रुतपाठ

   १. भारतेंदु हरिश्चंद्र

   २. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔंध'

   ३ सुमित्रानंदन पंत

   ४. सुभद्राकुमारी चौहान

   ५. महादेवी वर्मा

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ९

आधुनिक कविता - भाग १ : तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १ ससंदर्भ व्याख्या

अ) तीन रचनाकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

ब) तीन रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

प्र. २ तीन कवियों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न २०

प्र.३ टिप्पणी

अ) तीन कवियों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

ब) तीन कवियों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

प्र.४ द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे दो के उत्तर लिखने होंगे । ०५

प्र.५ अ) एक पूर्ण वाक्य के उत्तर के लिए द्रुतपाठ से पाँच प्रश्न दिए जायेंगे । ०५

ब) रिक्त स्थानों की पुर्ति के लिए द्रुतपाठ से पाँच वाक्य होंगे। ०५

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १३

आधुनिक कविता - भाग २ : चतुर्थ सत्र

पाठ्यविषय :

१. रश्मीरथी : रामधारीसिंह दिनकर

२. भूलगलती अंधेरे में, ब्रम्हाराक्षस : गजानन माधव 'मुक्तिबोध'

३. नदि के द्विप, असाध्य वीणा, साँप के प्रति : अज्ञेय

४. रोटी और संसद, मोचीराम, हिरोशिमा : सुदामा पाण्डे 'धूमिल'

५. द्रुतपाठ

   १. भवानीप्रसाद मिश्र

   २. हरिवंशराय बच्चन

   ३. रघुवीर सहाय

   ४. त्रिलोचन

   ५. श्री हरिओम पवार

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १३

आधुनिक कविता - भाग २ : चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १ ससंदर्भ व्याख्या

अ) पाठ्यक्रम में संम्मिलित रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

ब) पाठ्यक्रम में संम्मिलित रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ १०

प्र.२ पाठ्यक्रम में संम्मिलित रचनाकारों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी पश्न २०

प्र.३ टिप्पणी

अ) पाठ्यक्रम में संम्मिलित रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

ब) पाठ्यक्रम में संम्मिलित रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी १०

प्र.४ द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे दो के उत्तर लिखने होंगे । ०५

प्र.५ अ) एक पूर्ण वाक्य के उत्तर के लिए द्रुतपाठ से पाँच प्रश्न दिए जायेंगे । ०५

ब) रिक्त स्थानों की पुर्ति के लिए द्रुतपाठ से पाँच वाक्य होंगे। ०५

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१.	कामायनी काव्य संस्कृती और दर्शन	:	द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
२.	कामायनी की अध्ययन की समस्याएँ	:	डॉ. नगेन्द्र
३.	युगकवि प्रसाद	:	डॉ. गणेश खरे
४.	कामायनी प्रेरणा और परिणाम	:	सुरेन्द्र
५.	कामायनी	:	कल्याणमल लोढा
६.	निराला	:	डॉ. रामविलास शर्मा
७.	निराला की साहित्य साधना	:	डॉ. रामविलास शर्मा
८.	क्रांतिकारी कवि निराला	:	डॉ. बच्चनसिंह
९.	निराला की कविताएँ और काव्य भाषा	:	रेखा खरे
१०.	साठोत्तरी कविता	:	डॉ. रतनकुमार पाण्डे
११.	आधुनिक कविता का वैचारिक पक्ष	:	डॉ. रतनकुमार पाण्डे
१२.	धूमिल और उसका काव्य संघर्ष	:	डॉ. ब्रम्हादेव मिश्र
१३.	मुक्तिबोध	:	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
१४.	मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना	:	डॉ. नवलकिशोर नवल
१५.	नई कविता और अस्तित्ववाद	:	डॉ. रामविलास शर्मा
१६.	हिंदी गझल के प्रमुख हस्ताक्षर	:	डॉ. मधु खराटे
१७.	साठोत्तरी हिंदी गझल	:	डॉ. मधु खराटे
१८.	हिंदी गझल उद्‌भव और विकास	:	रोहिताश्व अस्थाना
१९.	हिंदी गझल संदर्भ और सार्थकता	:	डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
२०.	अज्ञेय - एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन	:	डॉ. ज्वालाप्रसाद खेतान
२१.	अज्ञेय- सृजन और संघर्ष	:	डॉ. रॉय
२२.	कटघरे का कवि धूमिल	:	डॉ. गणेश अष्टेकर

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १०

समिक्षा सिद्धांत - भाग १ : तृतीय सत्र

पाठ्यविषय :

१. भारतीय समिक्षा सिद्धांतो का संक्षिप्त परिचय

१. संस्कृत के काव्य सिद्धांतो की परंपरा का संक्षिप्त इतिहास

२. हिंदी के काव्य सिद्धांतो की परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
(रितिकालीन एवं आधुनिक काव्य सिदांतो की परंपरा)

२. रस सिद्धांत : : आ .भरतमुणि

१. रस का स्वरूप २. रसनिष्पति

३. रस के अंग ४. साधारणीकरण ५. सहृदय की अवधारणा

३. अलंकार सिद्धांत : आ. भामह

१. मूल स्थापनाएँ २. अलंकारों का वर्गीकरण

३. अलंकार और अलंकार्य में अंतर

४. रीति सिद्धांत : आ. वामण

१. रीति की अवधारणा २. काव्यगुण

३. रीति एवं शैली ४. रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

५. वक्रोक्ति सिद्धांत : आ. कुन्तक

१. वक्रोक्ति की अवधारणा २. वक्रोक्ति के भेद

३. वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

६. हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

१. ऐतिहासिक आलोचना २. तुलनात्मक आलोचना

३. मार्क्सवादी आलोचना ४. मनोवैज्ञानिक आलोचना

८. आलोचक

१. आचार्य रामचंद्र शुक्ल २. हजारीप्रसाद द्विवेदी

३. रामविलास शर्मा ४. नंद दुलारे वाजपेयी ५. डॉ. नामवरसिंह

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १०

समीक्षा सिद्धांत - भाग १ : तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	पाठ्यक्रम १ से ३ तक विकल्प के साथ प्रश्न	२०
प्र.२	पाठ्यक्रम ४ से ५ तक विकल्प के साथ प्रश्न	२०
प्र.३	टिप्पणीयाँ	
	अ) आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब) आलोचक पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र.४	लघुत्तरी प्रश्न	
	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जायेंगे, दो के उत्तर लिखने होंगे ।	०५
प्र.५	अ) एक वाक्य में उत्तर लिखिए	
	(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर पाँच प्रश्न दिए जायेंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य है।)	०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए	
	(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर पाँच प्रश्न दिए जायेंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य है।)	०५

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १४

समीक्षा सिद्धांत - भाग २ : चतुर्थ सत्र

पाठ्य विषय

१. पाश्चात्य समिक्षा सिद्धांत लेखन का संक्षिप्त परिचय

२. प्लेटो : काव्य सिद्धांत

३. अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत

४. लोजाइनस : उदात्त की अवधारणा

५. वर्डस्वर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत

६. टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा
निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

७. आई. ए. रिचर्ड : व्यवहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगोंका संतुलन, संप्रेक्षण

८. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद,
आधुनिकतावाद

९. आधुनिक समीक्षा की : संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तरआधुनिकतावाद
प्रवृत्तियाँ :

१०. व्यावहारिक समीक्षा : प्रश्नपत्र में पुछे गए किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार
समीक्षा (केवल आधुनिक कविता से)

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १४

समीक्षा सिद्धांत - भाग २ : चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	पाठ्यक्रम १ से ४ तक विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न		२०
प्र.२	पाठ्यक्रम ५ से ७ तक विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न		२०
प्र.३	टिप्पणीयाँ		
	अ)	पाठ्यक्रम ८ पर दो टिप्पणीयाँ दी जायेगी, दो में से एक लिखनी होगी।	१०
	ब)	पाठ्यक्रम ९ पर दो टिप्पणीयाँ दी जायेगी, दो में से एक लिखनी होगी।	१०
प्र.४	काव्यांश की समीक्षा पर विकल्प के साथ प्रश्न		०५
प्र.५	अे)	एक वाक्य में उत्तर लिखिए	
		(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर पाँच प्रश्न दिए जायेंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य है।)	०५
	ब)	रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए	
		(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर पाँच प्रश्न दिए जायेंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य है।)	०५

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१.	भारतीय साहित्य शास्त्र	:	डॉ. बलदेव उपाध्याय
२.	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा	:	डॉ. नगेन्द्र
३.	साहित्य का मूल्यांकन	:	डॉ. रामचंद्र तिवारी
४.	रस सिद्धांत स्वरूप और विश्लेषण	:	डॉ. आनंद प्रसाद दीक्षित
५.	रस सिद्धांत	:	डॉ. नगेन्द्र
६.	काव्यतत्त्व विमर्श	:	डॉ. राममुर्ति त्रिपाठी
७.	काव्यशास्त्र	:	डॉ. भगीरथ मिश्र
८.	साहित्यशास्त्र	:	डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डे
९.	भारतीय समीक्षा सिद्धांत	:	डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
१०.	रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना	:	डॉ. रामविलास शर्मा
११.	आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत	:	डॉ. रामलाल सिंह
१२.	आलोचक का दायित्व	:	डॉ. रामचंद्र तिवारी
१३.	आलोचना का विकास	:	नंदकिशोर नवल
१४.	नामवर के विमर्श	:	डॉ. सुधीश पचौरी
१५.	जातीय परंपरा और नामवर	:	डॉ. रतनकुमार पाण्डे
१६.	पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	:	डॉ. शांतीस्वरूप गुप्त
१७.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	देवेन्द्रनाथ शर्मा
१८.	उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार	:	सं.देवीशंकर नवीन
१९.	उत्तर आधुनिकता : साहित्यिक विमर्श	:	डॉ. सुधीश पचौरी
२०.	समीक्षा के विविध आधार	:	सं.रामजी तिवारी
२१.	पाश्चात्य काव्यचिंतन	:	डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
२२.	काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा	:	डॉ. निर्मला जैन
२३.	भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना	:	डॉ. अमरप्रसाद जायस्वाल

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ११

हिंदी गद्य साहित्य - भाग १: तृतीय सत्र

पाठ्यविषय :

१. हिंदी उपन्यास विधा का उद्‌भव एवं विकास : संक्षिप्त परिचय

   १. गोदान - प्रेमचंद

२. हिंदी आत्मकथा विधा का उद्‌भव एवं विकास : संक्षिप्त परिचय

   १. क्या भुलूँ क्या याद करूँ - हरिवंशराय बच्चन

३. हिंदी संस्मरण विधा का उद्‌भव एवं विकास : संक्षिप्त परिचय

   १. माटी की मूरते - रामवृक्ष बेनीपुरी

४. द्रुत पाठ

   १. जयशंकर प्रसाद

   २. भीष्म साहनी

   ३. बनारसीदास चतुर्वेदी

   ४. श्रीराम शर्मा

   ५. उषा प्रियवंदा

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - ११

हिंदी गद्य साहित्य - भाग १ : तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	ससंदर्भ व्याख्या	
	अ) तीन रचनाकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
	ब) तीन रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र. २	तीन रचनाकारों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.३	टिप्पणी	
	अ) तीन रचनाकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब) तीन रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र.४	द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे, दो के उत्तर लिखने होंगे ।	०५
प्र.५	अ) एक पूर्ण वाक्य के उत्तर के लिए द्रुतपाठ से पाँच प्रश्न दिए जायेंगे ।	०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुतपाठ से पाँच वाक्य होंगे।	०५

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १५

हिंदी गद्य साहित्य - भाग २: चतुर्थ सत्र

पाठ्यविषय :

१. हिंदी कहानी विधा का उद्‌भव एवं विकास : संक्षिप्त परिचय

   १. मै हार गई (कहानी संग्रह) : मन्नु भंडारी

२. निबंध विधा का उद्‌भव एवं विकास : संक्षिप्त परिचय

   १. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है। : विद्यानिवास मिश्र

   (निबंध संग्रह)

३. जीवनी विधा का उद्‌भव एवं विकास : संक्षिप्त परिचय

   १. आवारा मसिहा : विष्णु प्रभाकर

४. द्रुत पाठ

   १. राहुल सांक्रत्यायन

   २. प्रभाकर माचवे

   ३. मुक्तिबोध

   ४. रविंद्रनाथ त्यागी

   ५. जैनेंद्र कुमार

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १५

हिंदी गद्य साहित्य - भाग २ : चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	ससंदर्भ व्याख्या		
	अ)	तीन रचनाकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
	ब)	तीन रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र. २	तीन रचनाकारों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न		२०
प्र.३	टिप्पणी		
	अ)	तीन रचनाकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब)	तीन रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र.४	द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे, दो के उत्तर लिखने होंगे ।		०५
प्र.५	अ)	एक पूर्ण वाक्य के उत्तर के लिए द्रुतपाठ से पाँच प्रश्न दिए जायेंगे ।	०५
	ब)	रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुतपाठ से पाँच वाक्य होंगे।	०५

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१.	हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन	:	गिरीश रस्तोगी
२.	हिंदी नाटककार	:	जयनाथ नलिन
३.	नाटककार मोहन राकेश	:	गिरीश रस्तोगी
४.	मोहन राकेश के नाटक	:	डॉ. शिवराज यादव
५.	हिंदी नाटक	:	बच्चन सिंह
६.	हिंदी उपन्यास एक सर्वेक्षण	:	महेंद्र चतुर्वेदी
७.	हिंदी उपन्यास विविध आयाम	:	डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
८.	हिंदी के श्रेष्ठ आँचलिक उपन्यास	:	डॉ. नगिना जैन
९.	फणिश्वरनाथ रेणु - व्यक्तित्व और कृतियाँ	:	गोपीकृष्ण प्रसाद
१०.	हिंदी निबंधकार	:	जयनाथ नलिन
११.	हिंदी के प्रमुख निबंधकार रचना और शिल्प	:	गणेश खरे
१२.	साठोत्तरी हिंदी कहानी और महिला लेखिकाएँ	:	डॉ. विजया वारद
१३.	हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन	:	डॉ. मु.ब.शहा
१४.	हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार	:	गंगाप्रसाद गुप्त
१५.	हिंदी कहानियों की शिल्पविधी का विकास	:	डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
१६.	मोहन राकेश का साहित्य	:	सुनिता श्रीमाल
१७	प्रेमचंद और उनके उपन्यास	:	उषा ऋषि
१८.	आँचलिकता, यथार्थवाद और फणिश्वरनाथ रेणु	:	सुवालकुमार
१९.	हिंदी नाटकोंकी शिल्प विधी	:	श्रीमती गिरीजासिंह
२०.	हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास	:	दशरथ ओझा

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १२

हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य - भाग १ : तृतीय सत्र

पाठ्यविषय :

१. दलित विमर्श एवं साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

   १. संतप्त - सुरजपाल चौहान

२. आदिवासी विमर्श एवं साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

   १. डूब - वीरेंद्र जैन

३. अल्पसंख्यांक विमर्श एवं साहित्यः अवधारणा एवं स्वरूप

   १. झीनी झीनी बीनी चदरिया - अब्दुल बिस्मिल्लाह

४. द्रुतपाठ

   १. सुशिला टाकभोरे

   २. निर्मला पुतुल

   ३. तुलसीराम

   ४. असगर वजाहत

   ५. तसलिमा नसरिन

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १२

हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य - भाग १ : तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	ससंदर्भ व्याख्या	
	अ) तीन उपन्यासकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
	ब) तीन उपन्यासकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०
प्र. २	तीन उपन्यासकारों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.३	टिप्पणी	
	अ) तीन उपन्यासकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
	ब) तीन उपन्यासकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी	१०
प्र.४	द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यासकारों में से चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे, दो के उत्तर लिखने होंगे ।	०५
प्र.५	अ) एक पूर्ण वाक्य के उत्तर के लिए द्रुतपाठ से पाँच प्रश्न दिए जायेंगे ।	०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुतपाठ से पाँच वाक्य होंगे।	०५

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १६

हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य - भाग २ : चतुर्थ सत्र

पाठ्यविषय :

१. स्त्रीविमर्श एवं साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

   १. लगता नही है, दिल मेरा - कृष्णा अग्निहोत्री

२. किन्नर विमर्श एवं साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

   १. नाला सोपारा, पोस्ट बॉक्स नं.२०३ - चित्रा मुद्गल

३. वृद्ध विमर्श एवं साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप

   १. तिनका तिनके के पास - अनामिका

४. द्रुत पाठ

   १. पद्मा सचदेव

   २. महेंद्र भिष्म

   ३. प्रदीप सौरभ

   ४. निर्मला भुराडीया

   ५. निरजा माधव

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १६

हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य - भाग २ : चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	सससंदर्भ व्याख्या		
	अ) तीन रचनाकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०	
	ब) तीन रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ संदर्भ	१०	
प्र. २	तीन रचनाकारों पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न		२०
प्र.३	टिप्पणी		
	अ) तीन रचनाकारों मे से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी		१०
	ब) तीन रचनाकारों में से किन्ही दो पर विकल्प के साथ टिप्पणी		१०
प्र.४	द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकारों में से चार लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे, दो के उत्तर लिखने होंगे ।		०५
प्र.५	अ) एक पूर्ण वाक्य के उत्तर के लिए द्रुतपाठ से पाँच प्रश्न दिए जायेंगे ।		०५
	ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए द्रुतपाठ से पाँच वाक्य होंगे।		०५

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १२ विकल्प

जनसंचार माध्यम - भाग १ : तृतीय सत्र

पाठ्यविषय :

१. जनसंचार, अर्थ,परिभाषाएँ एवं स्वरूप

२. संचार प्रक्रिया के तत्त्व

३. जनसंचार माध्यम की अवधारणा

४. जनसंचार माध्यम के विविध रूप :

१. परंपरागत माध्यम - लोकगीत, नृत्य-नाट्य-शिल्प

२. मुद्रित माध्यम ३. आकाशवाणी

४. दूरदर्शन ५. फिल्म

६. इंटरनेट ७. समाज माध्यम - व्हॉट्सअप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यु-ट्यूब व्हीडीओ, मोबाईल, वेबपेज, ई-मेल,

५. जनसंचार माध्यमों का दायित्व :

१. सामाजिक २. राजनैतिक ३ आर्थिक

४. सांस्कृतिक ५. शैक्षिक ६. नैतिक

६. जनसंचार माध्यम और विज्ञापन :

१. विज्ञापन : अर्थ,परिभाषा एवं स्वरूप २.विज्ञापन के प्रकार ३.विज्ञापन की विशेषताएँ

७. संचार माध्यमों की भाषा

८. जनसंचार माध्यमों में पर्युक्त हिंदी का प्रयोग, सामर्थ्य तथा राष्ट्रीय एकता में योगदान

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १२ विकल्प

जनसंचार माध्यम - भाग १ : तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	पाठ्यविषय १ से ३ पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.२	पाठ्यविषय ४ से ५ पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.३	पाठ्यविषय ६ से ८ पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.४	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर पाँच लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे, जिनमें से तीन के उत्तर लिखने होंगे।	१५

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १२ विकल्प

जनसंचार माध्यम - भाग २ : चतुर्थ सत्र

पाठ्यविषय :

१. माध्यम उपयोगी लेखन का स्वरूप एवं प्रमुख प्रकार

(समाचार, भेटवार्ता,लेख , फिचर,समीक्षा,संवाद,रिपोर्ताज,वृत्तचित्र,परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी)

२. मुद्रीत माध्यमोंपयोगी लेखन

(समाचार,संपादकीय, प्रादेशिक वार्ता, फिचर,साक्षात्कार और यात्रावर्णन)

३. रेडिओ लेखन - रेडिओ लेखन के अनिवार्य तत्त्व

१. रेडिओ नाटक लेखन २. रेडिओ वार्ता ३. रेडिओ नाट्यरुपांतर

४. रेडिओ आलेख रूपक (डाक्युमेन्ट्री फिचर)

४. दूरदर्शन के लिए लेखन

१. दूरदर्शन समाचार लेखन २. दूरदर्शन नाटक लेखन

३. दूरदर्शन धारावाहीक लेखन ४. दूरदर्शन फिल्म लेखन

५. सिनेमा के लिए लेखन

१. फिचर फिल्म लेखन २. पटकथा लेखन हेतु आवश्यक तत्व

३. पटकथा लेखन के प्रारूप ४ पटकथा लेखन की विभिन्न शैलियाँ ५. वृत्तचित्र लेखन

६. विज्ञापन फिल्मलेखन की प्रविधी

७. साहित्यिक विधाओं का दृश्य - श्रव्य रूपांतर

एम.ए. (हिंदी) अनिवार्य बीजपत्र - १६ विकल्प

जनसंचार माध्यम - भाग २ : चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र का प्रारूप **अंक : ७५**

प्र. १	पाठ्यविषय १ से २ पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.२	पाठ्यविषय ३ से ४ पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.३	पाठ्यविषय ५ से ७ पर विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न	२०
प्र.४	संपूर्ण पाठ्यक्रम पर पाँच लघुत्तरी प्रश्न दिए जाऐंगे, जिनमें से तीन के उत्तर लिखने होंगे।	१५

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१.	आधुनिक संचार माध्यम और हिंदी	:	डॉ. हरिमोहन
२.	रेडिओ और दूरदर्शन पत्रकारिता	:	डॉ. हरिमोहन
३	समकालिन पत्रकारिता - मूल्यांकन और मुद्दे	:	राजकिशोर
४.	जनसंचार माध्यमोंका सामाजिक चरित्र	:	जावरीमल पारख
५.	मिडिया और साहित्य	:	सुधीश पचौरी
६.	संपर्क भाषा और हिंदी आकाशवाणी	:	डॉ. पवुर शशीद्रन
७.	कम्प्युटर और सूचना तकनिकी	:	डॉ. शंकर सिंह
८.	इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडिओ एवं दूरदर्शन	:	डॉ. राममोहन पाठक
९.	हिंदी पत्रकारिता : दूरदर्शन और टेलिफिल्मे	:	सविता चड्डा
१०.	जनमाध्यम और मास कल्चर	:	जगदिश्वर चतुर्वेदी
११.	आजादी के पचास वर्ष और हिंदी पत्रकारिता	:	सविता चड्डा
१२.	कंम्प्युटर और हिंदी	:	डॉ. हरिमोहन
१३.	पत्रकार और पत्रकारिता	:	डॉ. रमेश जैन
१४.	मिडिया लेखन	:	विजय कुलश्रेष्ठ
१५.	मिडिया लेखन	:	डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
१६.	मिडिया लेखन	:	डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
१७.	समाचार लेखन और संपादन कला	:	डॉ. हरिमोहन
१८.	समाचार लेखन	:	नविनचंद्र पंत
१९.	संचार माध्यम लेखन	:	गौरीशंकर रैना
२०.	संप्रेक्षण और रेडिओ शिल्प	:	विश्वनाथ पाण्डे
२१.	मिडिया लेखन	:	सुमित मोहन
२२	कथा पटकथा	:	मन्नु भंडारी

* * * * *